Priti Singh
Assistant Professor
DEPARTMENT OF B.Ed.
THE GRADUATE SCHOOL COLLEGE FOR WOMEN,
JAMSHEDPUR

B.Ed.- 2nd Sem, Paper- VII A, (Pedagogy of Social Science –Geography)

भूगोल का अर्थ और विकास
Meaning and development of Geography (Part-1)

भूगोल के लिए अंग्रेजी शब्द ज्याग्राफी (Geography) है, जो दो यूनानी शब्दों (Geo+Grapho) से मिलकर बना है | Geo (ज्यो) का अर्थ होता है 'पृथ्वी' और Grapho (ग्राफो) का अर्थ होता है 'वर्णन' करना | इस प्रकार ज्याग्राफी (Geography) की शाब्दिक परिभाषा होगी - **पृथ्वी और इसके ऊपर जो कुछ भी है, उसके बारे में लिखना** अथवा वर्णन करना | सामान्य शब्दों में हम कह सकते है है कि ज्याग्राफी का अर्थ है - **पृथ्वी का वर्णन** | एक विषय के रूप में भूगोल (भू+गोल) का शाब्दिक अर्थ होता है - **'गोलाकार स्वरूप वाली पृथ्वी'** |

Geography is composed of two Greek words (Geo+ Grapho). Geo means 'Earth' and Grapho means to describe. Thus a literal definition of geography will be **writing or describing what is on the earth and above.** In general terms, we can say that geography means **a description of the earth**. Geography (geo + round) as a subject literally means, **'earth with spherical nature'.**

भूगोल का सम्बन्ध भूपृष्ठ के अध्ययन से है | भूपृष्ठ के अंतर्गत भूपर्पटी का ऊपरी भाग, वायुमंडल, महासागर और जैवमंडल आते है | भूगोल को प्रायः सभी विज्ञानों की जननी कहा जाता है |

Geography is related to the study of the surface of the Earth. The top part of the crust falls under the surface, atmosphere, ocean and biosphere. Geography is often called the mother of all sciences.

भूगोल का प्रमुख उद्देश्य पृथ्वी के एक भाग के रूप में किसी क्षेत्र-विशेष का उसकी समग्रता व प्रकृति की सृष्टि के जीवंत रूप में अध्ययन करना है | भूगोल, दूसरे अन्य विज्ञानों की तरह ही, तर्क व वैज्ञानिक पद्यति पर ही निर्भर करता हैं | भूगोल 'क्यों (Why), कहाँ (Where) और कैसे (How)' को अपना विषय क्षेत्र मानता है |

The main objective of geography is to study a particular region as a part of the earth in a vibrant form of creation of its totality and nature. Geography, just like other sciences, depends on reasoning and scientific verse. Geography considers 'Why, Where and How', as its subject area.

प्राचीन भारत में पृथ्वी के विषय में अधिकांश जानकारी दूसरे विषयों के विभिन्न विद्वानों से प्राप्त हुआ करती थी | अरिस्टोटिल की सुप्रसिद्धपुस्तक **पॉलिटिक्स** में राज्य के गठन पर भौगोलिक कारकों के प्रभाव का भी वर्णन मिलता है | हिप्पोक्रेटस् ने मानव पर पर्यावरण के प्रभाव का वर्णन किया है |

In ancient India, most of the information about the earth was received from various scholars of other subjects. **Aristotle's** well-known book **Politics** also describes the impact of geographical factors on state formation. **Hippocrates** describes the environmental impact on humans.

जहाँ तक विज्ञान के रूप में भूगोल विषय को स्थापित करने की बात है तो इसका पूर्ण श्रेय उन भारतीय, यूनानी और अरबी विद्वानों को जाता है, जिन्होंने अपनी बहुमूल्य कृतियों द्वारा ब्रह्माण्ड में, ग्रह के रूप में पृथ्वी को भलीभांति समझाने का प्रयास किया |

As for establishing the subject of geography as science, the full credit goes to the Indian, Greek and Arabic scholars who tried to explain the Earth as a planet in the universe by their precious creations.

इरेटास्थनीज (एरेटोस्थेनीज) पहला यूनानी विद्वान था, जिसने भूगोल के लिए **ज्योग्राफिका** (Geographica) शब्द का इस्तेमाल किया | इरेटास्थनीज को ही भूगोल को एक अलग शास्त्र व विज्ञान के रूप स्थापित करने का श्रेय प्राप्त है | **हिकैटियस**, जिसने **'जेस पीरियोडस'** नामक प्रसिद्ध पुस्तक की रचना की थी, को **भूगोल का पिता** कहा जाता है | भूगोल के नामकरण और उसको प्रारम्भिक स्तर पर व्यवस्थित स्वरुप प्रदान करने का श्रेय यूनानी विद्वानों को दिया जाता है|

Ertasthanese was the first Greek scholar to use the word **Geographica** for geography. Ertasthanese is credited with establishing geography as a separate scripture and science. **Hikatius**, who composed the famous book **'Jess Periodus'**, is called the **Father of Geography**. Greek scholars are credited with naming geography and giving it a systematic form at the elementary level.

ईसा पूर्व छठी शताब्दी में यूनान के विद्वान **थेल्स** ने पृथ्वी के आकार व आकृति के बारे में वर्णन किया था | दूसरी शताब्दी ईस्वी के दौरान, (लगभग 100 - 178 ईस्वी) टॉलेमी ने भूगोल में कई महत्वपूर्ण योगदान दिए। टॉलेमी के प्रकाशन **'जियोग्राफिक हाइफेजेसिस'** या **"गाइड टू जियोग्राफी"** ने उस समय संचित ग्रीक

और रोमन भौगोलिक जानकारी को संकलित और संक्षेप में प्रस्तुत किया। उनके कुछ अन्य महत्वपूर्ण योगदानों में पृथ्वी की सतह को मानचित्र पर पेश करने के लिए तीन अलग-अलग तरीकों का निर्माण, पृथ्वी पर कुछ आठ हजार स्थानों के लिए समन्वय स्थानों की गणना, और देशांतर और अक्षांश की अवधारणाओं की भौगोलिक और विकास की अवधारणाओं का विकास शामिल है।ईसा पूर्व दूसरी शताब्दी में **टॉलमी** ने मानचित्र का निर्माण करने और स्थानों की स्पष्ट स्थिति दिखलाने हेतु आक्षांश व देशांतर का वर्णन किया | टॉलमी को **मानचित्र कला का जनक** कहा जाता है | टॉलमी को ही सर्वप्रथम बंगाल की खाड़ी को मानचित्र पर अंकित करने का श्रेय प्राप्त है |

In the sixth century B.C.E., Greek scholar **Thales** described the shape and shape of the earth. During the second century AD, (circa 100 - 178 AD) made a number of important contributions to geography. Ptolemy's publication **Geographike hyphegesis** or **“Guide to Geography"** compiled and summarize much of the Greek and Roman geographic information accumulated at that time. Some of his other important contributions include the creation of three different methods for projecting the Earth's surface on a map, the calculation of coordinate locations for some eight thousand places on the Earth, and development of the concepts of geographical and development of the concepts of Longitude and Latitude. **Tolmi** described the location and longitude to build the map and show a clear position of the places. **Tolmi is called the father of map art**. Tolmi is the first to be credited with recording the Bay of Bengal on the map.

इसके आलावा भूगोल को एक निश्चित स्वरुप प्रदान करने में **स्ट्रैबो**, **टॉलमी, हैरोडोट्स, एमैनुल कॉण्ट, कार्ल रिटर** इत्यादि विद्वानों ने विशेष योगदान दिया |

रोमन विद्वान स्ट्रेबो ने सत्रह भागों में विश्व का विस्तार से वर्णन किया | जर्मन विद्वान **एमैनुल कॉण्ट ने भूगोल को 5 उपभागों - राजनीतिक भूगोल, गणितीय भूगोल, नैतिक भूगोल, धार्मिक भूगोल और व्यावसायिक भूगोल - में विभाजित किया |**

In addition, scholars like **Strabo, Tolmi, Herodotus, Emanuel Cant, Karl Ritter,** etc., made special contributions in giving geography a certain form. Roman scholar Strabo described the world in detail in seventeen parts. German scholar **Emanuel Kant divided geography into 5 subdivisions - political geography, mathematical geography, moral geography, religious geography and professional geography.**

****